

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेल्फेयर इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 6 अंक: 213

सोमवार, 04 अगस्त -2025 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एकरुपया

एसआईआर पर चर्चा की मांग

संसद में आज हंगामे के आसार

नई दिल्ली।

संसद में चल रहे गतिरोध के बीच सरकार सोमवार को लोकसभा में एक महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर जोर दे सकती है। विपक्ष की एकजुट मांग के बावजूद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। लोकसभा ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को विचार एवं पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जिसमें खेल निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता को परिकल्पना की गई है।



राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन 13 अगस्त से छह महीने के लिए बढ़ाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को पारित करने के लिए

सूचीबद्ध किया है। पहलगाय आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में दो दिवसीय चर्चा को छोड़कर 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने

के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा विपक्षी दल लगातार उठा रहे

विपक्ष सांसद लगातार कर रहे प्रदर्शन

संसद में एसआईआर पर चर्चा की मांग के संबंध में सरकार द्वारा कोई ध्यान न दिए जाने के कारण विपक्ष संसद में लगातार प्रदर्शन कर रहा है, जिसके कारण बार-बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि विपक्ष की मांग पर निर्णय लेना दोनों सदनों के अध्यक्ष का काम है। हालांकि, उन्होंने बलराम जाखड़ के लोकसभा अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सदन चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के कामकाज पर बहस नहीं कर सकता। इस संबंध में एक प्रमुख सरकारी पदाधिकारी ने कहा कि यदि संसद में व्यवधान के कारण सरकार का एजेंडा बाधित होता रहा तो वह अपने प्रमुख विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी। रिजीजू ने कहा कि एसआईआर निर्वाचन आयोग के कार्यक्षेत्र का हिस्सा है और यह पहली बार नहीं है जब निर्वाचन आयोग ऐसा कर रहा है। लोकसभा में विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध एक अन्य विधेयक राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी संशोधन विधेयक है।

दिल्ली में आज जमकर बरसेंगे बादल



नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश-बिहार सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में उमस की वजह से लोगों का जीना मुहाल हो चुका है। रविवार को बादल छाए रहे, जिससे तापमान कम रहा लेकिन उमस से लोग परेशान रहे। हालांकि, मौसम विभाग ने सोमवार को बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस पूरे हफ्ते दिल्ली-एनसीआर में मूसलाधार बारिश होगी। लक्ष्मी नगर, पटपड़गंज, आनंद विहार, उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। बात करें बिहार की तो अगले 5 दिनों तक राज्य में मौसम सुहाना

यूपी-बिहार के कई जिलों में आज बारिश का अलर्ट

वहीं यूपी के कई जिलों में आज मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में 9 जुलाई तक बारिश की उम्मीद जताई गई है। बांदा, चित्रकूट, सोनभद्र, मिजापुर, संत रविदास नगर, सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ, अलीगढ़ सहित कई जिलों में हल्की बारिश की उम्मीद है।

बना रहेगा। इस दौरान तेज हवाएं चलेगी। लोगों को उमस से निजात मिलेगा। बता दें कि पटना, गया, पूर्णिया, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, नवादा, मुजफ्फरपुर, सिवान, दरभंगा, भागलपुर और मधुबनी समेत कई जिलों में मानसून को लेकर अलर्ट जारी है। राजस्थान के कई जिलों में जबरदस्त बारिश हो रही है। सोमवार को बूंदी, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, कौरली, कोटा और बारन में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया

गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के भंड, शिवपुरी, मोरेना, विदिशा, अशोकनगर, सागर, रायसेन, अशोक नगर, सीहोर, होशंगाबाद, सागर, खरपुर में बारिश की उम्मीद जताई गई है। हरियाणा-पंजाब, राजस्थान समेत उत्तरी राज्यों में तेज हवाओं यानी आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई जिलों में भी आज भारी बारिश की आशंका है।

गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम दस लोगों की मौत



नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय की एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवा ने कहा कि इजराइली हमले में जैवेद और दीर अल-बलाह कस्बों के बीच एक परिवार के घर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो अभिभावकों और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। इजराइली बलों ने इजराइल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएफएफ) द्वारा संचालित दो सहायता वितरण केंद्रों के निकट तब गोलीबारी कर दी जब भूखे फलस्तीनी लोग भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे। इस गोलीबारी में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। लगभग एक सप्ताह पहले इजराइल ने भूख से मरते बच्चों की बढ़ती घटनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते, सीमित मानवीय सहायता और हवाई सहायता की घोषणा की थी।

बिहार चुनाव में तेजस्वी की मुश्किल बढ़ाने में जुटे हेमंत



पटना। महागठबंधन में सम्मिलित होने की एआईएमआईएम की अपेक्षा को राजद दरकिनार कर चुका है, लेकिन झामुमो से उसकी बात अभी बेपटरी नहीं हुई है। राजद झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार में साझेदार भी है। इसी आधार पर झामुमो झारखंड के सीमावर्ती लगभग एक दर्जन सीटें मांग रहा। राजद उसे दो-तीन सीटों पर मनाने के प्रयास में है। बिहार में दावेदारी के संदर्भ में पिछले दिनों झामुमो द्वारा सार्वजनिक रूप से बयान दिए गए।

शक्तिशाली भूकंप के बाद रूस का ज्वालामुखी फटा

नई दिल्ली।

रूस में आए 8.8 तीव्रता के एक अत्यंत शक्तिशाली भूकंप ने सुनामी की चेतावनी जारी की और लाखों लोगों को प्रभावित किया। इसी भूकंप के तुरंत बाद, 450 साल से निष्क्रिय क्रशेनिकोव और उसके बाद सक्रिय क्लुचेव्स्काय ज्वालामुखी भी फट पड़े, जिसने क्षेत्र में हलचल मचा दी। रूस के पूर्वी कामचटका क्षेत्र में एक ज्वालामुखी, क्रशेनिकोव, 450 साल में पहली बार फटा है। यह विस्फोट इस क्षेत्र में आए अब तक के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक के बाद हुआ है। रिमथसोनियन इंस्टीट्यूशन के ग्लोबल वोलकेनिज्म प्रोग्राम के अनुसार, 1550 में



अपने अंतिम विस्फोट के बाद से यह ज्वालामुखी शांत था। अब इसमें से राख का एक विशाल गुबार निकला है, जिसकी ऊंचाई लगभग 6,000 मीटर (19,700

450

साल बाद हुआ विस्फोट

कि यह राख का गुबार ज्वालामुखी से पूर्व की ओर प्रशांत महासागर की ओर फैल रहा है। इसके रास्ते में कोई भी आबादी वाला इलाका नहीं है और अभी तक किसी भी शहर में राख गिरने की कोई घटना दर्ज नहीं की गई है। मंत्रालय ने इस ज्वालामुखी को 'नारंगी' विमानन खतरा कोड के साथ वर्गीकृत किया है।

दिल्ली में अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी: सीएम रेखा

नई दिल्ली।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली कैबिनेट ने तग 29 अप्रैल को जिस फैसले को लिया था, उसे लागू करने के लिए सदन में आज विधेयक आ रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि फीस बढ़ाव को लेकर स्कूलों की मनमानी को नही चलने दिया जाएगा। उन्होंने रविवार को विधानसभा में कहा कि पूर्व की



सरकार पिछले 10 साल में एक ऐसी कानून तक नहीं लेकर आई कि जिससे स्कूलों की मनमानी पर रोक

लग पाती। कहा कि हमने अभिभावकों की परेशानी को समझा है और हम इसके लिए विधेयक लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिल्ली सरकार के तहत पीडब्ल्यूडी के लिए हम अपना इंजीनियरिंग कैडर भी बनाने जा रहे हैं। शिक्षा मंत्री आश्वी सुंद ने कहा है कि अप्रैल में मुख्यमंत्री ने फीस वृद्धि को लेकर अभिभावकों की परेशानी सुनने के बाद स्कूलों को नोटिस भी जारी किया था।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए साक्षात्कार आज

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के लिए चयन प्रक्रिया का अहम चरण सोमवार को है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के साक्षात्कार राजधानी लखनऊ के पार्क रोड स्थित शिविर कार्यालय में सुबह 10 बजे से आयोजित किए जा रहे हैं। इस चरण में जिलों से चयनित शिक्षकों को आमंत्रित किया गया है। कई शिक्षक रविवार देर शाम ही लखनऊ पहुंच गए, ताकि समय से पहले पहुंचकर अपनी तैयारी अंतिम रूप दे सकें।

जापान-सागर में चीन और रूस का सीक्रेट मिलिट्री रिहर्सल शुरू

मॉस्को।

रूस के निकट दो परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर रूस ने कुछ नहीं कहा है लेकिन उसने चीन के साथ मिलकर नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं। यह नौसैनिक अभ्यास रूस और चीन के मध्य के जापान सागर में हो रहा है। यह जानकारी रूसी नौसेना के प्रशांत महासागर बेड़े ने दी है। विदित हो कि युद्धपोतों की संख्या के लिहाज से चीन की नौसेना इस समय विश्व की सबसे बड़ी नौसेना है। ट्रंप ने परमाणु पनडुब्बी की तैनाती की घोषणा पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेंदेव के बयान के



जवाब में की है। मेदवेंदेव ने ट्रंप को रूस को प्रतिबंधों की धमकी देने से बाज आने के लिए कहा था। ट्रंप की घोषणा से पूर्व ही घोषित रूस-चीन के

नौसैनिक अभ्यास में खासतौर पर तोपखाने और पनडुब्बी मारक क्षमताओं का प्रदर्शन हो रहा है। इस अभ्यास में रूस की बड़े आकार की

पनडुब्बियां और चीन का विध्वंसक बेड़ा भाग ले रहा है। अभ्यास में दोनों देशों की डीजल और बिजली चालित पनडुब्बियां भी भाग ले रही हैं।

चिदंबरम के बयान को चुनाव आयोग ने बताया बेतुका, गौरव गोगोई बोले- संसद में खुली बहस होनी चाहिए



नई दिल्ली।

कंग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने चुनाव आयोग पर बिहार और तमिलनाडु की एसआईआर प्रक्रिया में भेदभाव का आरोप लगाया, जिसे आयोग ने 'भ्रामक' संश्लसमरी रिवीजन बताया। गौरव गोगोई ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए संसद में बहस की मांग की। विपक्ष का कहना है कि एसएसआईआर विवाद अब लोकतंत्र की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। भारत के चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच एक बार फिर तीखा टकराव

सामने आया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए बिहार की मतदाता सूची में पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसएसआईआर और तमिलनाडु की एसएसआर यानी संश्लसमरी रिवीजन की तुलना करते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाया था। इस पर चुनाव आयोग ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए उनके बयान को भ्रामक और गलत बताया है। चिदंबरम ने कहा था कि बिहार में एसआईआर को पुनः शुरू करने की अनुमति दी गई, लेकिन तमिलनाडु की ऐसी ही एसएसआर मांग को खारिज कर दिया गया।

विधानसभा का मानसून सत्र आज से, पेश होगा स्कूल फीस नियंत्रण बिल

नई दिल्ली।

पहले ही दिन स्कूल फीस नियंत्रण बिल सहित अन्य मुद्दों पर राजनीतिक घमासान के पूरे आसार हैं। 8वीं विधानसभा का तीसरा सत्र 4 से 8 अगस्त तक चलेगा लेकिन मुद्दों पर राजनीतिक घमासान के पूरे आसार हैं। दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। पहले ही दिन स्कूल फीस नियंत्रण बिल सहित अन्य मुद्दों पर राजनीतिक घमासान के पूरे आसार हैं। 8वीं विधानसभा का तीसरा सत्र 4 से 8 अगस्त तक चलेगा लेकिन जरूरत पड़ी तो इसे बढ़ाया भी जा सकता है। सत्र की

शुरूआत में ही शिक्षा मंत्री आशीष सुद स्कूल फीस नियंत्रण बिल पेश करेंगे, जिसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को कैबिनेट पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इस बिल से दिल्ली के लाखों अभिभावकों को स्कूलों की मनमानी फीस से राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को साफ किया है कि वे बिल अभिभावकों के हित में हैं और स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाएंगे लेकिन आम आदमी पार्टी ने बिल का कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। आप नेता आतिशी समेत वरिष्ठ नेताओं का आरोप है कि सरकार इस बिल के जरिये निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रही है।



संपादक की कलम से

मोदी का स्वदेशी आह्वान

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को स्वदेशी का प्रचारक बनने का आह्वान किया है। अपने चुनाव क्षेत्र वाराणसी से यह आह्वान देश भर के लिए है कि सभी संकल्प ले और अपने घरों में स्वदेशी सामान ही लेकर आए। प्रधानमंत्री मोदी को अवाक यह आह्वान क्यों करना पड़ा, जबकि संघ परिवार के लिए स्वदेशी एक बुनियादी एजेंडा रहा है। आरएसएस का सहयोगी संगठन स्वदेशी जागरण मंच दशकों से इस दिशा में प्रयासरत रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और कारोबार के मौजूदा दौर में कोई भी देश स्वदेशी के भरोसे न तो आर्थिक विकास कर सकता है और न ही अस्तित्व की रक्षा कर सकता है। भारत आज एक खुली अर्थव्यवस्था वाला देश है और उदारीकरण, आर्थिक सुधारों का प्रतीक रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार को बढ़ा अर्थव्यवस्था के दौर में नहीं घटका जा सकता। स्वदेशी के सीधे मायने हैं कि आप विदेशी निवेश का प्रवाह बाधित कर रहे हैं। स्थिरता के माहौल को फिर से अस्थिर करना चाहते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी एक जड़ स्थिति है। अमरीकी राष्ट्रपति टंप के 25 फीसदी टैरिफ थोपने के बाद प्रधानमंत्री की स्वदेशी पर यह पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया है। मेक इन इंडिया के प्रथम प्रोमोटर प्रधानमंत्री ही हैं। यह सिलसिला मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ माह बाद ही शुरू कर दिया गया था।



ललित शर्मा
संपादक

दिसंबर, 2014 में उद्योग पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान स्वदेशी पर भी विमर्श किया गया था। बेशक आज भी विनिर्माण के क्षेत्र में इतना विकास और विस्तार नहीं हो पाया है कि वह देश के जीडीपी में 25 फीसदी का योगदान दे सके। हालांकि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत ने 60 फीसदी टीकों की आपूर्ति जरूरतमंद देशों को की। यह टीका भारत की कंपनियों ने ही बनाया और विकसित किया है तथा उसका उत्पादन वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है। भारत ने 102 स्वदेशी बंदे टैन का नेटवर्क भी खड़ा किया है। आज भारतीय कंपनियों रक्षा उत्पादन में इतनी सक्रिय और व्यस्त हैं कि वे करीब 90 देशों को हथियारों की आपूर्ति कर रही हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि हमें लडाकू विमान, हेलीकॉप्टर और प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली विदेशों से ही खरीदने पड़ रहे हैं। अभी हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दहलीज पर ही खड़े हैं। हमें अपनी जरूरत का खाते तेल अब भी विदेश से आयात करना पड़ रहा है। हम स्वदेशी तेल का ब्रांड और उत्पादन स्थापित नहीं कर पाए हैं। स्वदेशी महज एक नारा है, व्यवहारिक नहीं है। बेशक भारत का कपड़ा क्षेत्र 14.5 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहा है। हम अमरीका को भी वस्त्र, परिधान आदि का अच्छा-खासा निर्यात करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत ने दोगुनी बढ़ोतरी की है, लेकिन कारों, मोबाइल आदि में जो सेमीकंडक्टर की चिप लगती है, भारत उसके शोध, विकास, व्यापार के लिए आज भी सिंगापुर, ताइवान जैसे छोटे देशों पर ही आश्रित है। चीन, जापान, अमरीका की तो बात मत कीजिए। उनसे हमारा मुकाबला किया ही नहीं जा सकता। दो साल पहले भारत सरकार के बजट में युवा छात्रों को प्रशिक्षित और उनके रोजगार के महन्जर देश की 500 बड़ी कंपनियों में इंटरशिप की योजना की घोषणा की गई थी। उसकी मौजूदा स्थिति क्या है, सरकार ने यह ग्रीफ करने की कभी जरूरत ही नहीं समझी। यह सवाल बहद अहम और संवेदनशील है कि बीते 5 सालों के दौरान करीब 20 लाख पासपोर्ट संरेडर क्यों किए गए? वे लोग विदेशों में गए, काम में जुटे और फिर विदेशों में ही बस गए। यह आंकड़ा ऐसा है, जो स्वदेशी की अवधारणा और संभावनाओं को नकारता है। स्वदेशी एक व्यापक केनवस है, लिहाजा सभी वस्तुओं का जिक्र करना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री लोकल वो वोकल का नारा भी देते रहे हैं। विडंबना यह है कि इतने सालों के प्रयासों के बावजूद हमारे देश में तो हुनरमंद श्रम है, न ही शोध एवं विकास पर अपेक्षाकृत फोकस है।

साहब !मेरा नाम हमेशा अपमान के पर्याय के रूप में लेते हो! आज मेरे नाम पर वैश्विक वफादारी, समर्पण, मेहनतकश और प्रतिबद्धता का दिवस है

वैश्विक स्तर पर हर उस व्यवहार, कार्य और परिस्थितियों में जहां किसी व्यक्ति का अपमान करना हो, उसे नीचा दिखाना हो, उसे बदनाम करना हो तो, उसे बोलने वाले प्रार्थक अर्थव्यवस्था भाषा टठोली के प्रतीक के रूप में कुत्ता शब्द का प्रयोग किया जाता है, वैसे तो इस बोध में अनेक पशु-पक्षी और जानवरों का नाम जैसे गधा, उल्लू, सिकातात्मक पहलू यह है कि गधा बहुत भारी बोझ उठाकर मेहनत के प्रति समर्पित रहता है, सांड खेतियों में हल जोतने का मेहनत का काम करता है, इस तरह हर ऐसे अपमान के सूचक बनें इन प्राणियों का हमारे जीवन को सुचारू रूप से चलाने में कुछ ना कुछ योगदान होता है, फिर भी हम उन्हें हास्यप्रद व अपमान सूचक शब्दों से व्यक्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते, आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 5 अगस्त 2025 को हम राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने (वर्क लाइक ए डॉग डे) के दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जो अमेरिका सहित पश्चिम भारत सहित दक्षिण एशिया इत्यादि देश में मनाया जाता है, इस दिन का उद्देश्य उन सभी लोगों को सम्मान देना है जो इतना कठिन परिश्रम करते हैं, अपनी वफादारी व जिम्मेदारियों को निष्ठा व अनुशासन के साथ निभाते हैं और मानव समाज की प्रगति में योगदान देते हैं। इसमें दो बातें महत्वपूर्ण हैं, (1) यह दिन एक प्रतीक है-ऐसे श्रमिकों, कर्मचारियों, व्यापारियों और हर उस व्यक्ति के लिए जो 'कुत्ते की तरह' अथक, निःस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करते हैं। (2) पशुओं में कुत्ता वह प्राणी है जिसे सबसे अधिक वफादार, मेहनती और संरक्षक माना गया है। वह केवल आदेश मानने वाला प्राणी नहीं, बल्कि कई मामलों में नेतृत्वकर्ता, खोजी, सहायक और संकटमोचक भी होता है। पुलिस डॉग्स, थैरेपी डॉग्स, फार्म डॉग्स, रेस्क्यू डॉग्स और गाइड डॉग्स-हर क्षेत्र में इनकी मेहनत असाधारण है। ये विशेष प्रशिक्षित कुत्ते दिन-रात काम करते हैं,



गौदिया

बिना शिकायत किए, बिना थके। यही भावना इस दिवस के पीछे की प्रेरणा है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वर्क लाइक ए डॉग डे, 5 अगस्त 2025, वफादारी व समर्पण भाव से मेहनत करने वालों को सैल्यूट। साथियों बात अगर हम मेहनतकश लोगों को सैल्यूट करने की करें तो, इस दिवस की एक और प्रासंगिकता है- यह आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक और लक्ष्य-केन्द्रित वर्क कल्चर की झलक देता है, ये सब हमें लगातार 'कुत्ते की तरह' काम करने के लिए मजबूत करता है। लेकिन यह एक कब प्रगति का संकेत बनता है और कब शोषण, इसपर विचार करना भी उतना ही आवश्यक है जिसमें इंसान को मशीन की तरह 24/7 काम करने की अपेक्षा की जाती है इस दिन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है जो अपने कार्यस्थल पर या जीवन में साधारण नहीं, बल्कि असाधारण मेहनत करते हैं। इसमें शामिल हैं: (1) कुपक जो सुबह 4 बजे खेतों में पहुंचते हैं। (2) डॉक्टर और नर्स जो महामारी या आपदा के दौरान 18-18 घंटे की शिफ्ट करते हैं। (3) स्वच्छता कर्मी जो शहरों को साफ-सुथरा बनाए रखने में जुटे रहते हैं। (4) महिलाएँ, जो घर और ऑफिस दोनों में दायित्व लाइक अ डॉग्स वाली भूमिका निभाती हैं। (5) वर्क फ्रॉम होम, ओवरटाइम, स्टार्टअप कल्चर, करियर रेस चुनौतीपूर्ण कार्य। साथियों बात अगर हम मेहनत करने की करें तो, जब हम मेहनत की बात करते हैं, तब हमें ये भी देखना होगा कि हर व्यक्ति को उसके काम का पूरा मुआवजा मिले, और उसकी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक सेहत का ध्यान रखा जाए। (1) वर्कलेस वेलनेस प्रोग्राम्स (2) मेंटल हेल्थ अवेयरनेस



को इंसान का मूल गुण है, वह अमूल्य है। एआई कभी व फ 1 दारी, नैतिकता और जुनून नहीं ला सकता, जो एक इंसानी श्रमिक में होता है। साथियों बात अगर हम दुनियाँ के भविष्य, बच्चों व युवाओं को काम का मूल्य सिखाने की करें तो, वर्क लाइक ए डॉग डे केवल वयस्कों के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को श्रम के मूल्य और गरिमा सिखाने का एक सुनहरा अवसर है। (1) उन्हें छोटे-छोटे कार्य सौंपें। (2) घर के कामों में भागीदार बनाएँ। (3) उन्हें यह बताएँ कि मेहनत केवल पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण के लिए भी है। परंतु कुछ आलोचक कहते हैं कि कुत्ते की तरह काम करना इंसानों के आत्म- सम्मान के विरुद्ध है। इसमें मनुष्यता की उल्लंघना होती है। यह दलील तब सार्थक लगती है जब कार्य की मात्रा मनुष्य की सीमा से अधिक हो जाती है इसलिए इस दिन को मनाते हुए हमें मेहनत और शोषण के बीच की महीन रेखा को पहचानना जरूरी है। 5 अगस्त 2025 - वफादारी से मेहनत करने वालों को सैल्यूट 15 अगस्त 2025 का दिन ऐसे श्रमिकों कर्मचारियों व्यापारियों और हर उस व्यक्तियों के लिए है, जो कुत्ते की तरह वफादारी, निस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और जयशंकर के संसद में दिये गये भाषणों का पूरा निचोड़ ये रहा



देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिरक्षात्मक नहीं, बल्कि प्रहारक रणनीति अपनाते वाला राष्ट्र है। आतंकवादियों को यह संदेश मिल गया है कि उनके आकाओं को भी सुरक्षित ठिकाने अब नहीं मिलेंगे। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति और नीतियों में एक निर्णायक और आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषणों में यह संदेश दिया कि भारत न केवल हमलों का त्वरित जवाब देने में सक्षम है, बल्कि हर बार नये मानक भी स्थापित करता है। सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की बात करें तो आपको बता दें कि उनका संबोधन इस बात का प्रमाण था कि अब आतंकवादियों के आकाओं को पता है कि भारत चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल के पहलामा हमले का बदला लेने के लिए भारत ने मात्र 22 मिनट में निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक सैन्य प्रहार किया था। मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से तीन मुख्य संदेश दिए- 1. भारत अपनी शर्तों पर जवाब देगा: अब कोई परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी। 2. इस ऑपरेशन में मेक इन इंडिया ड्रोन और मिसाइलों का सफल प्रयोग भारत की

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिरक्षात्मक नहीं, बल्कि प्रहारक रणनीति अपनाते वाला राष्ट्र है। आतंकियों को यह संदेश मिला कि उनके आकाओं को भी सुरक्षित ठिकाने नहीं मिलेंगे। मोदी सरकार ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकवादी क्षमता को करारा झटका दिया है बल्कि वैश्विक मंच पर यह स्थापित कर दिया है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव में नहीं झुकेगा। यह नया भारत आत्मनिर्भर है, निर्णायक है और अपनी जनता के हितों की रक्षा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। बहरहाल, संसद में दिये गये ये भाषण भारत की रक्षा नीति, आतंकी हमले का जवाब देने की नीति और विदेश नीति के परिदृश्य को दृढ़ता से प्रस्तुत करते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्रीय आवाज बुलंद की है, हालांकि विपक्ष द्वारा सुरक्षा चौकसी और खुफिया विफलता पर की गई आलोचना भी ध्यान देने योग्य है। यह बहस एक समृद्ध तथ्यों और तर्कों की लड़ाई थी, जिसमें सरकार ने सफलता हासिल की, जबकि विपक्ष ने जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया।

खारिज कर दिया कि अमेरिका या अन्य देशों के दबाव में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस अवधि में कोई सीधा संवाद नहीं हुआ था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री के संबोधनों से जो मुख्य बिंदु उभर कर आये उनके मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया। सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी सीमा बंद करना आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति का संकेत था। साथ ही क्वाड, ब्रिक्स और यूपारएससी में भारत ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और बातचित साय-साय नहीं चल सकती। देखा जाये तो मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 22 मिनट में जवाबी कार्रवाई कर यह दिखा दिया कि अब लंबी चर्चाओं का समय खत्म हो चुका है। मेड इन इंडिया हथियारों के प्रयोग ने पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन तकनीक को पोल खोल दी। साथ ही विदेश मंत्री जयशंकर के नेतृत्व में भारत ने विषय स्वर पर पूरी विमर्श बनाया कि पाकिस्तान का आतंकवाद पूरी मान्यता के लिए खतरा है। इसके अलावा, आतंकवादियों और उनके समर्थक देशों को अब यह समझना होगा कि भारत न केवल हमले का जवाब देगा बल्कि हमलावरों को समाप्त कर देगा।

उदय किशोर साह बचपन के पल सुहाने कविता

वो बचपन के पल थे कितने सुहाने उछल कूद करते थे संग संग अनजाने स्कूल जाने में होते थे कई कई बहाने खेल कूद में दिन होता एक बार पुनः जमाना

माता पिता का मिलता था प्यार अपार गुरु जी खाता था स्कूल में बड़ी मार पर दोस्तों से होती थी पल पल तकरार जिन जिन को नहीं था हमसे कोई प्यार

दिन गुजरा था जब जब करते मनमानी गढ़ लेते थे कोई भी हम झुठी। कहानी बात बात में होती थी खेल में वैईमानी कितना सुन्दर था वो सब अपनी नादानी

पल में झगड़ना फिर पल में दोस्ताना रुठना और रूठे को होता था। मनाना सुनहरी भोर का होता था गीत तराना काशा ! लौट आता एक बार पुनः जमाना

आटा चावल की ना थी कोई भी चिन्ता छोटा समझ कर कोई गलती ना गिनता कितना पावन था वो बीता वो जमाना सुखद सा पल था वो अपना आशियाना

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद -201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी. राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक: ललित शर्मा सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

